भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4612

जिसका उत्तर 21.08.2025 को दिया जाना है

बडवेल-नेल्लोर नई चार-लेन परियोजना

4612. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आंध्र प्रदेश में कृष्णापत्तनम पत्तन से संपर्क सुधारने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-67 पर बडवेल से नेल्लोर तक 108 किलोमीटर लंबे नए चार-लेन खंड को मंजूरी दे दी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) रूप से किया जाएगा या सरकार स्वयं इसे क्रियान्वित करेगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उपरोक्त खंड से आंध्र प्रदेश के औद्योगिक गलियारों - विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे पर कोप्पार्थी नोड, हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे पर ओर्वाकल नोड और चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे पर कृष्णापत्तनम नोड - को किस प्रकार जोड़ा जाएगा; और

(घ) इस परियोजना के माध्यम से सृजित होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) जी हां, सरकार ने आंध्र प्रदेश राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग रारा-67 पर बडवेल - गोपावरम गांव से रारा-16 पर गुरुविंदपुडी तक 108.134 किलोमीटर की कुल लंबाई और 3653.10 करोड़ रुपये की कुल पूंजीगत लागत से 4-लेन बडवेल-नेल्लोर राजमार्ग के विकास के लिए निर्माण-प्रचालन-हस्तांतरण (टोल) मोड पर परियोजना के कार्यान्वयन के लिए स्वीकृति दे दी है।

(ग) यह परियोजना आंध्र प्रदेश में तीन औद्योगिक गलियारों के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्रों (नोड्स) अर्थात एनएच-40 और एनएच-67 के द्वारा विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे (वीसीआईसी) पर कोप्पार्थी केंद्र (नोड), एनएच-40 और एनएच-67 के द्वारा हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (एचबीआईसी) पर ओर्वाकल केंद्र (नोड) और एनएच -67 और एनएच-516डब्ल्यू के द्वारा चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (सीबीआईसी) पर कृष्णापटनम केंद्र (नोड) को अंतर-संपर्कता प्रदान करेगी।

(घ) परियोजना के विकास से प्रत्यक्ष रोजगार के 20 लाख कार्य-दिवस और अप्रत्यक्ष रोजगार के 23 लाख कार्य-दिवस सृजित होने का अनुमान है। प्रस्तावित सड़क के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण परियोजना से अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

*****